

घृतकुमारी के फूल में होती है इलेक्ट्रानिक मेमोरी, आइआइटी इंदौर में हुआ शोध

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर के भौतिकी विभाग के अध्यापक डा. राजेश कुमार और उनके विद्यार्थियों के एक शोध में आश्चर्यजनक परिणाम सामने आए हैं। शोध में घृतकुमारी (एलोवेरा) के पौधे में लगने वाले फूलों के रस में पाए जाने वाले पदार्थों की पहचान की गई है। शोध करने वाले सदस्यों ने पाया कि फूलों के रस में इलेक्ट्रानिक मेमोरी प्रभाव रखने वाले अवयव होते हैं। शोध में शामिल विद्यार्थी तनुश्री घोष ने बताया कि फूलों में पाए जाने वाले रस के रसायन की बारीकी से जांच करने पर पाया गया कि इसका उपयोग डाटा स्टोरेज बनाने के लिए

किया जा सकता है। डा. राजेश कुमार ने बताया कि अब तक किसी भी वनस्पति में इस प्रकार का कोई प्रभाव नहीं देखा गया। उन्होंने बताया कि एसीएस अफ्लायड इलेक्ट्रानिक मटेरियल्स नामक अंतरराष्ट्रीय जर्नल में हाल ही में प्रकाशित शोध पत्र में बताया गया है कि यह मेमोरी प्रभाव एक मेमेस्ट्रिटर नामक इलेक्ट्रानिक उपकरण के सिद्धांत पर कार्य करता है जो टैप रिकार्डर या कंप्यूटर चिप जैसे चुंबकीय मेमोरी उपकरणों से भिन्न है। शोध के दूरगामी परिणाम आने की उम्मीद है। शोध कार्य में विद्यार्थी सुचिता कांडपाल, चंचल रानी, मनुश्री तंवर, देवेश कुमार पाठक व अंजली चौधरी भी शामिल थी।